Standard Deviation and Variance (v) Coefficient of Variation (vi) Lorenz Curve.

6. Moments and various measures of Skewness and Kurtosis.

7. Evaluation of probabilities using addition and multiplication theorems, conditional probabilities and Baye's Theorem.

8. Exercises on Mathematical expectation and finding measures of central tendency, dispersion, Skewness and kurtosis of uni-variate probability distribution.

9. Exercises on determination of class frequencies, consistency of data and association of attributes.

10. Exercises on Finite Difference Theory: (i) Construction of finite difference table. (ii) Newton Gregory's forward and backward interpolation formulae (iii) Estimation of missing value in case of equal intervals.

11. Lagrange's and Newton's divided difference formulae

12. Inverse interpolation by Langrange's formula.

13. Numerical Integration by Trapezoidal, Simpson's 1/3rd & 3/8th rules.

14. Solution of LPP by Graphical and Simplex methods.

बी. ए. द्वितीय वर्ष संस्कृत परीक्षा 2008–2009

प्रथम प्रश्नपत्र : नाटक, छन्द एवं अलंकार

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. अभिज्ञानशाकुन्तल नाटक कालिदास
2. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त मुख्य छन्द)
3. अलंकार (काव्यदीपिका, अष्टम शिखा)

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ–

प्रथम इकाई – प्रथम और द्वितीय अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल),

द्वितीय इकाई – तृतीय व चतुर्थ अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल),

तृतीय इकाई – पंचम, षष्ठ और सप्तम अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल),

चतुर्थ इकाई – छन्द

पंचम इकाई – अलंकार–काव्यदीपिका की अष्टम शिखा से निम्नलिखित अलंकार पठनीय हैं। अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, उपमा, मालोपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, दीपक, सन्देह, भ्रान्तिमान्, अप्रस्तुतप्रशंसा एवं समासोक्ति ।

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथम खण्ड

वस्तुनिष्ठात्मक भाग **10 अंक**

इसके अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। ये प्रश्न समग्र पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

द्वितीय खण्ड

व्याख्यात्मक भाग **50 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत शतप्रतिशत विकल्प के साथ पाँच प्रश्न (व्याख्या) पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निर्धारित हैं। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना अपेक्षित है। इनका पाठ्यक्रमानुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा।

क. प्रथम तथा द्वितीय अंक–अभिज्ञान शाकुन्तल से दो श्लोक देकर एक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. अभिज्ञानशाकुन्तल के तृतीय व चतुर्थ अंक से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ग. अभिज्ञानशाकुन्तल के पंचम, षष्ठ तथा सप्तम अंक से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

घ. छन्द – अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त निर्धारित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण तथा उनमें मात्रा व गणों की परिगणना पूछी जाएगी – कोई चार छन्द देकर दो की। 10 अंक

ङ. अलंकार – कोई चार अलंकार देकर दो के लक्षण तथा उदाहरण पूछे जाएंगे। 10 अंक

तृतीय खण्ड

निबन्धात्मक प्रश्न : **40 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल चार प्रश्न देकर दो प्रश्नों के उत्तर पूछे जायेंगे। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना अपेक्षित है। इनके लिये 20–20 अंक निधारित हैं।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरुप होंगे।

1. अभिज्ञानशाकुन्तल के प्रथम अंक से लेकर चतुर्थ अंक पर्यन्त की प्रमुख घटनाओं से सम्बन्धित समालोचनात्मक प्रश्न। प्रमुख पात्र (दुष्यन्त, शकुन्तला, कण्व, अनसूया व प्रियंवदा) का चरित्र–चित्रण।

   नाट्यविधा की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तल की समालोचना, मूल कथापरिवर्तन से नाट्य–सौन्दर्य में होने वाली विशेषताओं से सम्बन्धित प्रश्न। 20 अंक

2. अभिज्ञानशाकुन्तल के पांच अंक से लेकर सात अंक के घटनाक्रम पर आधारित प्रश्न, पंचम अंक का वैशिष्ट्य, दुष्यन्त, शकुन्तला, शाङ्र्गरव–शारद्वत का चरित्र–चित्रण, प्रकृति चित्रण, कालिदास की नाट्यशैली तथा कालिदास का नाट्य साहित्य में स्थान इत्यादि। 20 अंक